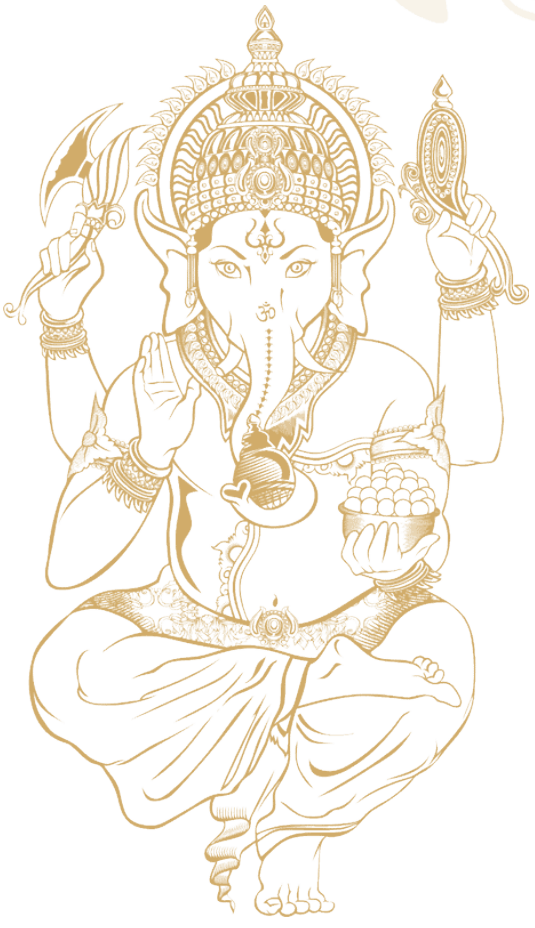

Mr.Gaurav

Ms.Meenal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119298904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/06/1998	जन्म तिथि	22/08/1998
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:05:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 31:21:34	जन्म समय(घटी)	28:54:04 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Gwalior
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:22	सूर्योदय	05:52:51
19:20:12	सूर्यास्त	18:47:21
23:49:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 5मा 14दि		11:03:35	वृश्चि	लग्न	मक	14:25:50	केतु 1वर्ष 7मा 25दि	
चन्द्र		26:33:35	वृष	सूर्य	सिंह	05:21:53	सूर्य	
25/11/2024		12:27:45	धनु	चंद्र	सिंह	10:10:56	17/04/2020	
25/11/2034		19:06:16	वृष	मंगल	कर्क	07:15:35	18/04/2026	
चन्द्र	25/09/2025	28:05:49	वृष	बुध व	कर्क	22:15:23	सूर्य	05/08/2020
मंगल	26/04/2026	02:08:48	मीन	गुरु व	मीन	02:15:34	चन्द्र	04/02/2021
राहु	26/10/2027	20:49:44	मेष	शुक्र	कर्क	17:19:08	मंगल	12/06/2021
गुरु	24/02/2029	06:23:15	मेष	शनि व	मेष	09:45:10	राहु	06/05/2022
शनि	25/09/2030	10:24:28	सिंह व	राहु	सिंह	07:37:06	गुरु	22/02/2023
बुध	25/02/2032	10:24:28	कुंभ व	केतु	कुंभ	07:37:06	शनि	04/02/2024
केतु	25/09/2032	18:39:46	मक व	हर्ष व	मक	16:10:58	बुध	11/12/2024
शुक्र	27/05/2034	07:57:36	मक व	नेप व	मक	06:10:32	केतु	18/04/2025
सूर्य	25/11/2034	12:28:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:28:15	शुक्र	18/04/2026

लग्न-चलित

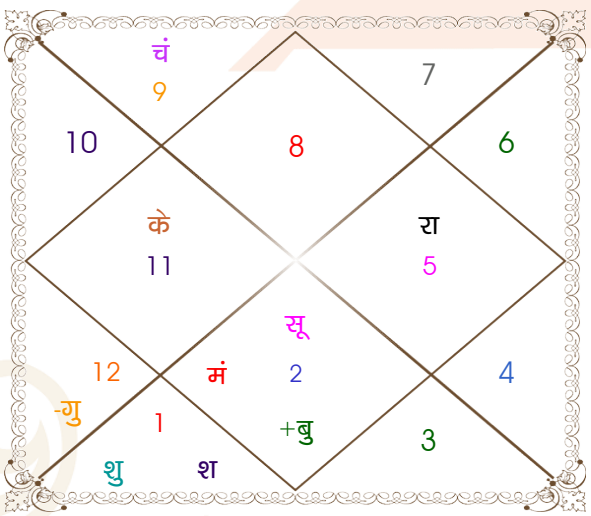

लग्न-चलित

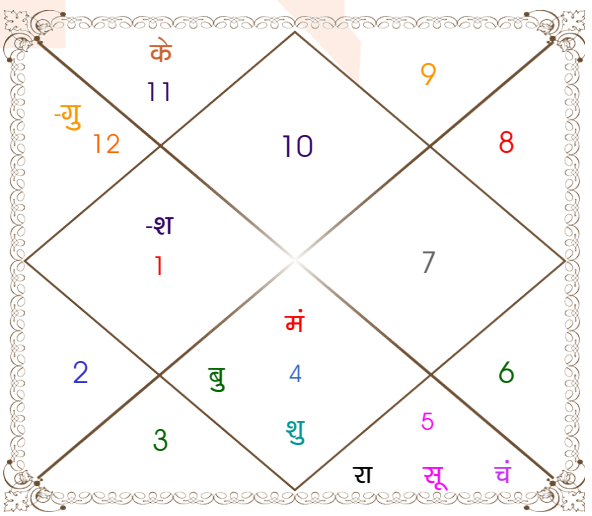

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ळंनतंअ का वर्ग मूषक है तथा डेण्डममदंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ळंनतंअ और डेण्डममदंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ळंनतंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डतण्ळंनतंअ कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्डममदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्डममदंस कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्डममदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डेण्डममदंस कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्ळंनतंअ कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ळंनतंअ तथा डेण्डममदंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।